प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट

1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

बैतूल

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल का कार्यक्षेत्र बैतूल जिले के भीमपुर विकासखण्ड की चार पंचायतों के 20 ग्रामों एवं ढानों में लोगो के बीच जागरूकता एवं बेहतर समन्वय को स्थापित करने के उद्धेश्य से किया गया जिसमें मुख्य रूप से प्राकृतिक खेती,बच्चो के स्वास्थ्य शिक्षा का महत्व व उसकी अनिवार्यता ,शिक्षा में सुधार ,बेहतर पारस्परिक समन्वय, सामुदायिक एकता ,स्वच्छता संबंधी, जलसंरक्षण संबंधी व्रक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण ,पंचायतराज व्यवस्था में समुदाय की सक्रिय भागीदारी , समुदाय के लोगो के आर्थिक ,सामाजिक बदलाव के लिये बैठके प्रशिक्षण के माध्यम से अपने विकास के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।

यह क्षेत्र पहाडी पथरीला और बंजर है इस कारण से यहाँ के निवासी केवल बरसात के दिनों में होने वाली फसल का उत्पादन ही ले पाते और बाकी समय में काम करने के लिये ये परिवारों के सदस्यों को बाहर काम करने जाना पडता है।

पूर्व. विद्रयालय पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम दृ इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासखंड भीमपुर के पॉच ऑगनवाडी केन्द्रो हर्रावनग्राम एपातरी एपीपलढाना एमानकदंड एभांडवा ग्राम के तीन वर्ष से पॉच वर्ष के 110 बालक बालिकाओं को दैनिक शिक्षा और पोषण प्रदान किया जाता है। दूध प्रतिदिन ताज़ा तैयार कर एक बच्चे को 150 मिलीलीटर दूध तथा साथ में दो रूपये वाला पारलेजी बिस्किट का पैकिट दिया जाता है। 100 बच्चों अध्ययन सामग्री जिसमें पठन पाठन सामग्री और बेग प्रदान किया गया है।

पूर्व- विद्रयालय पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम – इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विकासखंड भीमपुर के पॉच ऑगनवाडी केन्द्रो हर्रावनग्राम ,पातरी ,पीपलढाना ,मानकदंड ,भांडवा ग्राम के तीन वर्ष से पॉच वर्ष के 110 बालक बालिकाओं को दैनिक शिक्षा और पोषण प्रदान किया जाता है। दूध प्रतिदिन ताज़ा तैयार कर एक बच्चे को 150 मिलीलीटर दूध तथा साथ में दो रूपये वाला पारलेजी बिस्किट का पैकिट दिया जाता है। 100 बच्चों अध्ययन सामग्री जिसमें पठन पाठन सामग्री और बेग प्रदान किया गया है।

प्री स्कूल पोषण एवं शिक्षा कार्यक्रम

- 3-5 वर्ष के बच्चो की पोषण स्थिति में सुधार।
- प्री स्कूल के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना।
- स्थानीय स्तर पर उचित प्रभाव बनाये रखने के स्थानीय स्वंसेवको के सशक्त बनाना।

प्रमुख गतिविधि

- हिन्द्री ,अंग्रेजी और गिनती के लिए माडॅयूल तैयार करना।
- स्वंसेवको को बचपन के पोषण एवं सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने के प्रशिक्षण देना।
- प्रोटीन ,आयरन और मल्टी विटामिन सप्लीमेंट पोषण कीट का वितरण।
- बच्चो का वजन कर स्वास्थ्य संबंध निगरानी करना।
- पोषण कीट और शैक्षिण सामग्री का वितरण करना।
- स्वंसेवको को रिपोर्टिग के लिए तकनीकि सहायता करना।
- गुणवत्ता नियंत्रण के लिए समय समय पर एवं मासिक निरीक्षण करना।
- बच्चो के माता पिता के साथ बैठ कर शिक्षा एवं पोषण संबंधी दी गई।
- बच्चो के स्वास्थ्य और पोषण में सुधार।
- बच्चों की ऑगनवाडी केन्द्र में उपस्थिति में लगातार वृद्धि हो रही है।
- नियमित पोषण से कम वजन वाले बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य मे सुधार हुआ है ।
- स्वच्छता , बच्चे के माता पिता ऑगनवाडी केन्द्र पर बच्चो को साफ सुथरा भेज रहे है स्वच्छता के संबंध में ध्यान रखा जा रहा है।बच्चों एवं परिवारो में हाथ धोने एवं खाना पकाने एवं शुद्ध पेयजल पीने की आदतो मे सुधार हुआ है जिससे बीमारी मे कमी आई है।

संचार –

- ग्राम के स्वंसेवको ने संस्था और समुदाय के बीच विश्वास बढा। माता पिता बच्चे के स्वास्थ्य एवं शिक्षा के आपसी समन्वय से बातचीत करने लगे है।
- प्री-स्कूल शिक्षा -बच्चों को बैग एवं पुस्तके मिलने से बच्चो एवं उनके माता पिता में एक उत्सुता देखने को मिल रही है।

- बच्चे शैक्षिणक कीट से अक्षर गिनती तथा पशु पक्षी को पहचान करना तथा उसमें कलर करना सीख रहे है।
- प्री स्कूल शिक्षा में बातचीत करना ,खेलना ,अपनी बात को रखना , आत्मविश्वास में वृद्धि एवं भाषा में सुधार हो रहा है
- बच्चो को हिन्द्री अंगेजी गिनती का सामान्य ज्ञान हो रहा है जिससे हिन्द्री और अंग्रेजी शब्दों को पहचाना और बोलना शुरू किया है।

परिणाम

- बच्चो के वजन व अक्षर ज्ञान सीखने की क्षमता में सुधार हुआ।
- स्वंयसेवको ने बच्चो के पोषण और सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता को मजबूत किया है
- पी- पोषण कार्यक्रम में माता पिता की सहभागिता बढी है।

राहत कीट - प्रगति ग्रामीण विकास संस्था द्वारा बैतूल जिले के विकासखंड भीमपुर के पॉच ग्रामों हर्रावनग्राम ,पातरी ,पीपलढाना,मानकदंड ,भांडवा में जो अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति के बहुत गरीब सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि ,भूमिहीन ,बेरोजगारी से पीड़ित हैं, समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्ग से हैं जो अन्यथा भोजन या राशन नहीं खरीद सकते हैं। ऐसे 160 परिवारो को 26 किलो गेहूँ तथा चार किलों उडंद की दाल परिवारों को सूखा राशन प्रदान किया गया।

परिणाम –

- गरीब परिवारो की भोजन का सहयोग हुआ।
- पोस्टिक पोषण आहार उपलब्ध हुआ।
- पलायन पर नही जाना पडा।
- बच्चो नियमित ऑगनवाडी से समय पर

प्राकृतिक उन्नत खेती कार्यक्रम

मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के भीमपुर विकासखंड के २० ग्रामों एवं ढानों में स्थानीय विकास के संदर्भ में अनुसूचित जनजातियों में गोंड और कोरकू हैं जो बड़े पैमाने पर लघु और सीमांत कृषि पर निर्भर हैं, लेकिन भूमि की कम उत्पादकता के कारण अन्य पूरक आजीविका गतिविधियाँ करने के लिए मजबूर हैं प्राकृतिक खेती का उद्धेश्य कृषि प्रणालियों और इसकी चुनौतियों का प्रबंधन करने के लिए प्रकृति की शक्तिका लाभ उठाना है , जबकि मिट्टी की गुणवता मे सुधार ,खेती की कम लागत ,किसानों के लिए उच्च शुध्द आय ,जल सुरक्षा में सुधार ओर बेहतर पोषण परिणाम प्राप्त करना है। इसमें कृषि पारिस्थितिकी आधारित विविध कृषि प्रणालियॉ शामिल है जो फसलों ,पेडों पशुधन को कार्यात्मक जैव विविधता के साथ एकीक्रत करती है। प्राकृतिक खेती रसायनमुक्त खेती होगी जिसमे प्राकृतिक आदानों का उपयोग रहेगा। कृषि आधारित ,यह एक विविध कृषि प्रणाली है जो फसलो ,पेड़ो और पशुधन को एकीकृत करती है। प्राकृतिक खेती कई अन्य लाभ जैसे मिट्टी की उर्वरता पर्यावरणीय स्वास्थ्य की बहाली होगी। रासायनिक खेती व प्राकृतिक खेती के लाभ हानि को सरलता से किसानो को समझया गया जिसमें प्रत्येक ग्राम सतर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। ऊँची गुणवता वाली ,ज्यादा उपज की शून्य लागत वाली ,जहर मुक्त ,कर्ज मुक्त चिंता मुक्त कष्ट मुक्त शोषण मुक्त ,रोग मुक्त प्राकृतिक संकट मुक्त ऐसी खेती जो किसानों को सही अर्थ में सुखी –समृद्व – स्वावलम्बी करने वाली एवं प्रकृति ,ज्ञान – विज्ञान ,अंहिसा और आध्यात्मिक आधारित कृषि पद्वति है ं। जीवामृत ,घनजीवामृत देशी खाद् ,बीजामृत कीट नाशक में नीमास्त्र, ब्रम्हास्त ,अग्नि अस्त्र , फफुंदनाशक ,दशपर्णी एंव विटामिन से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

उद्धेश्य –

1. रासायनिक उव्ररकों ,कीटनाशकों , खरपतवार नाशकों के जैविक विकल्पों को प्रोत्साहित करके किसानों की आय को निरंतर ओर टिकाउ तरीके से बढाना।
2. बहुस्तरीय फसल और पारंपिरक बीजों ,फसलों और उनकी किस्मों के उपयोग के माध्यम से कृषि पारिस्थितिक रूप से उपयुकत फसल विविधीकरण ओर जैव विविधता को बढावा देना।

3. स्थानीय उद्रयमियों , सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करना अ ौर संबंधित हितधारकों विशेष रूप से महिलाओं की क्षमता का निर्माण करना।
4. सामुदायिक संसाधन व्यक्ति आधारित कृषि विस्तार प्रणाली विकसित करना। (पीसीआर)
5. छोटे किसानो को ऋण के बोझ से बचाना ,किसानों की आय में स्थिर , निरंतर और टिकाउ वृध्दि करना।
6. प्राकृतिक खेती में बहुत संभावनायें है क्योकि यह मुख्य रूप से ऑनफार्म बायोमास रीसाइक्लिगं पर आधारित है जिसमें बायोमास मल्चिंग, ऑनमूत्र फार्मूलेशन फार्म गोबर का उपयोग समय समय पर मिट्टी का वातन और सभी सिंथेटिक रासायनिक इनपुट पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया जाता है।

आउटपुट – किसानों की भूमि की तैयार फसल जैव विविधता , बीज उपचार , प्रबंधन , कीट ओर रोग प्रबंधन , पोषक तत्व आदि पर बैठको के माध्यम से बताया।

- प्राकृतिक उर्वरक एवं दवाओं का उपयोग 140 किसानों किया।
- खरीफ की फसल में 12 किसानो ने 20 एकड में मक्का एवं धान की फसल में प्राकृतिक उर्वरक एवं दवाओं का उपयोग किया।
- रबी की फसल में 24 किसानो ने 34 एक्ड भूमि में चना मंसूर एवं गेहूॅं की फसल में प्राकृतिक उर्वरक एवं दवाओं का उपयोग किया।
- फसल कटाई के बाद चार ग्राम के किसानों ने 912 किंवटल मक्का एकत्र किया और उसे बाजार में बेचकर 286400 रूपयें का लाभ कमाया।

चुनौतियॉ

- ❖ किसानो को सरकारी योजनाओ की जानकारी सही समय पर नही मिलना।
- ❖ किसानों को सही समय पर बीज उपलब्ध न होना।
- ❖ परंपरागत बीज दिन प्रतिदिन समाप्त हो रहे है।

मुददे /सीख

- किसानो सही समय पर खाद ओर दवाईयॉ नही डाल पाते है।
- किसानो को समय समय पर मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।
- किसानों को बीजो की ग्रेडिंग और उचित बाजार मूल्य न मिलना।
- प्राकृतिक खेती के प्रति किसानो के नजरिये में बदलाव आया।
- रासायनिक खेती की तुलना में प्राकृतिक खेती में कम खर्च।

बैठको के दौरान सैध्दांतिक चीजों के साथ साथ व्यवहारिक पर परीक्षण भी अवश्य करना चाहिये। ऐसा करके बताना चाहिये ताकि किसान परीक्षण होते हुये भी देख सके ओर उनकी समझ उस विषयवस्तु पर आधारित हो जो अधिक प्रभावी हो सके।

बीज मेला क्लस्टर स्तर पर चार पंचायतों के 16 ग्रामों 155 किसानो के साथ परम्परागत बीज मेला का आयोजन ग्राम भांडवा किया गया जिसमे एन सी एन एफ भोपाल से श्री विनय जी ए पियूली घोष

मैडम तथा कृषि विभाग से एस ए डी ओ श्री प्रभु कुमार वटके ए कृषि विस्तार अधिकारी श्री सुकाली धुर्वे ए कृषि विस्तार अधिकारी वन्दना दांगोडे कृषि विज्ञान केन्द्र से कृषि वैज्ञानिक डॉ श्रीमती मेघा दुबे एवं ग्राम के गणमान लोगो द्वारा सरस्वती जी की फोटो की पूजा कर बीज मेले को प्रारंभ किया गया किसान परम्परागत बीज लेकर आये और आपस में बीजो को बीज के बीज तथा बीजो को क्रय किया गया। बीज मेले से किसानो को परम्परागत बीजो के बारे में किसानो ने जानकारी दी तथा कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केन्द्र से कृषि वैज्ञानिको द्वारा परम्परागत बीजो एवं परम्परागत खेती करने के बारे में जानकारी मिली तथा प्राकृतिक खेती एवं शासन की योजनाओ के बारे में किसानो को जानकारी प्राप्त हुई । बीज मेले मे 20 किसानो ने पारंपिरक बीज लेकर आये जिसमें अनाज ,दलहन ,तिलहन एवं सब्जियों के कई फसल धान के कुछ किस्म छतरी ,मक्के के किस्म ,पीसी गेहूँए चना ,बटना , सोयाबीन ,कोदो कुटकी एकाली कुटकी ,सफेद कुटकी ,ज्वार, तिल्ली देशी तुअर , मूँग ,उडद ,जगनी एवं सब्जियाँ जैसे बरबटी बल्लर लौकी कददू इत्यादि बीज लाये थे । बीज मेले में कुल 296 किलो बीज आया जिसमें से 113 किलो बीज बेचा गया । सब्जी में भिंडी आम गिल्की बरबटी फल्ली भटटे टमाटर सब्जीयो को बेचना गया । मल्लकू सोनू वाडिबा द्वारा जंगली जंडी बुटकी दवाईयो की बिक्री की गई । किसानो को प्रोत्साहित करने के लिए प्रथम दिवतीय तृतीय स्तर का ईनाम दिया गया।

परिणाम –

- ✓ किसान को बीजो पहचान हुई और कौन सा बीज कब बोना सही जानकारी प्राप्त हुई।
- ✓ किसानो को आपस में बीज परिवर्तन करने को मिला।
- ✓ कम दामों में बीज उपलब्ध हुयें।
- ✓ कौनसे से किसान के पास कौनसा बीज है उसकी जानकारी प्राप्त हुई।

पंचायती राज व्यवस्था – पंचायती राज व्यवस्था के अन्तर्गत भीमपुर विकासखण्ड की चार पंचायत में ग्राम सभा के माध्यम से पंचायतों के प्रतिनिधियो के साथ पंचायतरराज व्यवस्था तथा पॉचवी अनुसूची के अन्तर्गत ग्राम सभा को दिये गये अधिकारो ग्राम स्वराज् व्यवस्था ,शिक्षा ,स्वास्थ्य कार्यक्रम के नीति नियमों तथा सरकार की ग्राम स्वराज रूपी सरल शासन प्रणाली को सरल रूप से बताते हुये जन समुदाय व प्रतिनिधियो में उत्तरदायित्व को लेकर उनमें जागरूकता पैदा करना जिससे ज्ञान व समझ के आधार पर उत्साह एवं प्रेरणा स्वरूप वे स्वंय निण्रय लेने की क्षमता को विकसित कर सके । जिससे उनमें स्वंय के सहयोग एवं सामुदायिक सोच को विकसित जा सके ।

उपलिब्धयाँ –

- ग्राम सभा की बैठको में महिलाओं की उपस्थिति में बढी ।
- 12 किसानो के खेत में तालाबों का निर्माण हुआ।
- 65 परिवारों को आवास के लिए राशि प्राप्त हुई।
- पानी रोकने के लिए 15 चैक डेमों एवं 6 छोटे परकुलेशन डेमों का निर्माण हुआ।

प्रमोदकुमार नाईक

किसान पाठशाला
•पावरी•

MNOPQR
STUVWX
YZ

दशपर्णी
नीमास्त्र

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला